

23-24 Oct 2021

प्राचीन कलाएँ और आधुनिक इतिहास का अध्ययन

रेखा शर्मा, शोधकर्ता (इतिहास विभाग), नीलम विश्वविद्यालय, कैथल (हरियाणा)

सारांश

प्राचीन कलाएँ किसी भी सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक संरचना, धार्मिक मान्यताओं और जीवन-पद्धति को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। चित्रकला, मूर्तिकला, वास्तुकला, हस्तशिल्प, लोककला तथा अन्य कलात्मक अभिव्यक्तियाँ केवल सौंदर्यबोध का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं, बल्कि अपने समय के सामाजिक एवं ऐतिहासिक परिवेश की महत्वपूर्ण सूचनाएँ भी प्रदान करती हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र में प्राचीन कलाओं और आधुनिक इतिहास के पारस्परिक संबंधों का अध्ययन किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य यह समझना है कि प्राचीन कला-सामग्री, कलाकृतियाँ, स्मारक, स्थापत्य अवशेष और दृश्य अभिलेख आधुनिक इतिहास के पुनर्निर्माण में किस प्रकार सहायक हो सकते हैं। कला के अध्ययन के माध्यम से तत्कालीन समाज की आर्थिक गतिविधियों, राजनीतिक परिस्थितियों, धार्मिक विश्वासों, सामाजिक संबंधों तथा दैनिक जीवन के विभिन्न पक्षों को समझने के अवसर प्राप्त होते हैं। आधुनिक ऐतिहासिक अध्ययन में पुरातत्व, कला इतिहास, अभिलेखीय स्रोत, डिजिटल तकनीक तथा संरक्षण विज्ञान के समन्वित उपयोग से प्राचीन कलाओं की व्याख्या के नए आयाम विकसित हुए हैं। डिजिटल अभिलेखीकरण, त्रिआयामी मॉडलिंग और डिजिटल पुनर्संरचना जैसी तकनीकें विलुप्तप्राय या क्षतिग्रस्त कला-विरासत के अध्ययन और संरक्षण में उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। प्रस्तुत अध्ययन यह रेखांकित करता है कि प्राचीन कलाओं को केवल अतीत की सौंदर्यपरक विरासत के रूप में नहीं, बल्कि ऐतिहासिक ज्ञान के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में देखा जाना चाहिए। कला और इतिहास के अंतर्विषयक अध्ययन से सांस्कृतिक विरासत की बेहतर समझ, संरक्षण और भावी पीढ़ियों तक उसके हस्तांतरण की संभावनाएँ मजबूत होती हैं।

मुख्य शब्द: प्राचीन कला, आधुनिक इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, कला इतिहास, पुरातत्व, स्थापत्य, मूर्तिकला, संरक्षण, डिजिटल अभिलेखीकरण, ऐतिहासिक स्रोत